लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *207

14 दिसम्बर,2015 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादन

***207. प्रो. रविन्द्र विश्वनाथ गायकवाड़:**

श्री आनंदराव अडसुल:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत चालू वर्ष के दौरान इस्पात उत्पादन में पिछड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो वैश्विक इस्पात उत्पादन में भारत का कौन-सा स्थान है और गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान इस्पात उत्पादन का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस्पात उद्योग को भविष्य में अपनी बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता प्राप्त करने के लिए भारी निवेश की आवश्यकता है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) देश में पूर्वानुमानित मांग को पूरा करने के लिए मेक-इन-इंडिया पहल के अंतर्गत इस्पात उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात और खान मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) से (ड.): एक विवरण लोक सभा के पटल पर रख दिया गया है।

***

"इस्पात उत्पादन" के बारे में प्रो. रविन्द्र विश्वनाथ गायकवाड़ और श्री आनंदराव अडसुल, संसद सदस्यों द्वारा लोक सभा में दिनांक 14 दिसम्बर, 2015 के लिए पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *207 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान क्रूड इस्पात के उत्पादन के आंकड़े नीचे दिये गये है :-

वर्ष	उत्पादन (मिलियन टन में)
2012-13	78.42
2013-14	81.69
2014-15	88.98
2015-16* (अप्रैल- नवम्बर)	59.75
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति, * अनंतिम	

उपरोक्त तालिका से यह प्रदर्शित होता है कि देश में इस्पात के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि हो रही है। विश्व इस्पात संघ (डब्ल्यूएसए) द्वारा जनवरी-अक्तूबर, 2015 के दौरान क्रूड इस्पात के विश्व स्तरीय उत्पादन के संबंध में जारी किये गये आंकड़े यह इंगित करते है कि भारत विश्व में क्रूड इस्पात का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है।

(ग) और (घ): इस्पात एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र होने के नाते अलग-अलग कंपनियों /निवेशकों द्वारा निवेश संबंधी निर्णय उनके अपने-अपने वाणिज्यिक सोच-विचारों और बाजार गतिशीलता के आधार पर लिए जाते हैं। देश में क्रूड इस्पात की वर्तमान क्षमता 110 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) है, जिसे वर्ष 2025 तक 300 एमटीपीए तक बढ़ाने की परिकल्पना की गई है। एक मिलियन टन के इस्पात संयंत्र की स्थापना के लिए औसतन 6000 करोड़ रूपये की आवश्यकता होती है।

(ड.): इस्पात अर्थव्यवस्था का कोर क्षेत्र है। कई क्षेत्र, जो कि 'मेक इन इंडिया' पहल के हिस्से हैं, उनका इस्पात उद्योग से मजबूत संबंध हैं। भारत सरकार ने घरेलू इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने और इस्पात उत्पादन को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

(i) लौह अयस्क से समृद्ध झारखण्ड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक राज्यों में बड़ी क्षमता की ग्रीन फील्ड परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) फ्रेमवर्क अपनाया गया है।

(ii) सार्वजनिक क्षेत्र की यूनिटों ने इस्पात उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने के लिए विस्तार योजनाएं ली है। सेल ने अपनी क्रूड इस्पात उत्पादन क्षमता को 12.8 एमटीपीए से बढ़ाकर 21.4 एमटीपीए करने के लिए आधुनिकीकरण और विस्तार योजना ली है। आरआईएनएल ने अपनी क्षमता को 3 एमटीपीए से 7.3 एमटीपीए करने के लिए विस्तार और आधुनिकीकरण कार्य लिया है। एनएमडीसी ने 3 एमटीपीए क्षमता के एक नए इस्पात संयंत्र की स्थापना का कार्य आरम्भ किया है।

(iii) कोयला ब्लॉक आबंटनों को सरल बनाने के लिए दिनांक 30.03.2015 को कोल माइंस (स्पेशल प्रोविजन्स) एमेंडमेंट एक्ट, 2015 अधिसूचित किया गया है।

(iv) खनन पट्टे प्रदान किए जाने को सरल बनाने और कच्चे माल की उपलब्धता में सुधार लाने के लिए दिनांक 27.03.2015 को माइंस एण्ड मिनरल्स (डेवेलपमेंट एण्ड रेगूलेशन) एमेंडमेंट एक्ट, 2015 अधिसूचित किया गया है।

(v) गुणवत्तापूर्ण इस्पात के उत्पादन और आयात के लिए दिनांक 12.03.2012 को स्टील एण्ड स्टील प्रोडक्ट (क्वालिटी कंट्रोल) आर्डर अधिसूचित (दिनांक 04.12.2014 को अंतिम बार यथासंशोधित) किया गया है।

***